(ख) क्या यह भी सच है कि इस कारण सभी एयरलाइनें अपनी क्षमता का सही उपयोग नहीं कर पा रही हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस स्थिति को सुधारने हेतु कोई कदम उठाने का विचार रखती है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी नहीं ।

(ख) एयर टैक्सी प्रचालक अनुसूचित प्रचालनों हेतु मुक्त किसी भी हवाई अड्डे पर प्रचालन करने और अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार अपनी क्षमता नियोजित करने के लिये स्वतंत्र है ।

(ग) से (ङ) एक बार एयर टैक्सी प्रचालकों के अनुसूचित हवाई परिवहन प्रचालक बन जाने पर उन्हें ट्रक मार्गों पर नियोजित क्षमता का कतिपय न्यूनतम प्रतिशत अन्य मार्गों पर नियोजित करना अपेक्षित होगा ।

इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों में दी जाने वाली खाद्य-वस्तुओं का स्तर

1385. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों में दी जाने वाली खाद्य वस्तुओं का स्तर गिरता जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विशेष रुप से उसमें दी जाने वाली मिठाई खाने लायक नहीं होती है ;

(ग) यदि हां तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) खाद्य वस्तुओं का स्तर सुधारने के लिये सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाये जा रहे हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) विमान में परोसे जाने वाले भोजन की क्वालिटी में सुधार करने के लिये निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं:—

—बड़े स्टेशनों पर ख्यातिप्राप्त खान-पान प्रबंधकों/होटल उद्यमियों को ठेके दिये जाते हैं । छोटे स्टेशनों पर भोजन हवाई अड्डा रेस्टोरेंटों से लिया जाता है जिसके लिये ठेके विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा दिये जाते हैं । जहां कहीं खान-पान प्रबंध उचित स्तर के नहीं पाये जाते हैं, तब शहरों में उपलब्ध बेहतर होटल उद्यमियों से भोजन लेने के प्रबंध किये जाते हैं ।

—भोजन एक से अधिक खान-पान प्रबंधक से लिया जाता है जिससे उनके बीच बेहतर प्रतिस्पर्द्धा बनायी रखी जा सके ।

—व्यंजन सूचियां इंडियन एयरलाइंस अधिकारियों द्वारा तैयार की जाती है जो इस कार्य में विशेषज्ञता रखतेहैं ।

—भोजन परोसने के समय इंडियन एयरलाइंस के अर्हता प्राप्त अधिकारियों द्वारा भोजन की गुणवत्ता की जांच की जाती है ।

—समय-समय पर व्यंजन सूचियों की संवीक्षा की जाती है ।